Achievements

- 15 अक्टूबर, 2022 को महिला कृषक दिवस का आयोजन किया गया । जिसमें 29 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।
- 16 अक्टूबर, 2022 को ***विश्व*** खाद्य दिवस का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किया गया, जिसमें 34 प्रसार गतिविधियों ***प्रशिक्षण,*** सेमिनार, गोष्ठी एवं ***प्रदर्शनी*** सम्मिलित है ।
- ***विश्व*** मृदा स्वास्थ्य दिवस 5 दिसंबर, 2022 को आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागीयों की उपस्थिति रही ।
- संचालनालय विस्तार सेवायें अधिनस्थ कृषि ज्ञान वाणी में वर्ष 2022–23 में विभिन्न विषयों पर सारगर्भित जानकारी 72 रेडियो वार्ताओं के माध्यम से रिकार्डिंग कर केन्द्र निदेषक, ***आकाशवाणी,*** जबलपुर को प्रसारण हेतु भेजी गई ।
- ***आकाशवाणी,*** से रेडियोवार्ता का प्रसारण :– कृषि विज्ञान केन्द्रों के 41 वैज्ञानिकों द्वारा ***आकाशवाणी,*** के माध्यम से कृषकों को प्रसार गतिविधियों प्रषिक्षण, सेमिनार, गोष्ठी सें संबंधित विषयों पर समसमायिक सलाह दी गई ।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु प्री खरीफ वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठकों का आयोजन संचालक विस्तार डॉ. दिनकर प्रसाद ***श***र्मा व प्रोफेसर टी.आर. ***श***र्मा के मार्गदर्शन में माह जून व अगस्त, 2023 में किया गया ।
- ***विश्वविघालय*** के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 219 गांवों को अंगीकृत (गोद) लिया गया है साथ ही किसान मोबाइल ***संदेश*** के माध्यम से 2255431 (बाइस लाख पचपन हजार चार सौ इक्तीस) कृषक पंजीकृत हैं साथ ही समय–समय पर कृषि संबंधी जानकारी मोबाइल ***संदेश*** के माध्यम से प्रेषित की जाती है ।
- सीड हब परियोजना के अंतर्गत दलहनी फसलों में 10 वर्ष की उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज का उत्पादन कर किसानों तक पहुंचाया जाता है । अभी तक 10742 क्विंटल बीज किसानों तक पहुंचाया जा चुका है ।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से 2042 ***प्रशिक्षण*** का आयोजन किया गया जिसमें महिला कृषक, ग्रामीण युवा, विस्तार कार्यकर्ता, व्यावसायिक व प्रयोजक को ***प्रशिक्षित*** किया गया,
- विगत तीन वर्षों में तिलहनी, दलहनी व अन्य खाद्यान फसलों में ***क्रमशः*** 4460 हेक्टेयर, 2616 हेक्टेर एवं 1506 हेक्टेयर कुल 8582 हेक्टेयर में अग्रिम पंक्ति प्रदर्षन दिये गये जिसमें 21996 कृषक लाभांवित हुये ।
- कृषि मौसम आधारित मौसम परामर्ष सूचना साप्ताहिक रूप से जिलों में प्रसारित की जा रही है ।

- आजादी के 75वें वर्ष पर अमृत महोत्सव के तहत समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से विष्व मृदा दिवस, विष्व दुग्ध दिवस, पर्यावरण दिवस, महिला किसान दिवस, पोषण माह, जल षक्ति अभियान, विष्वविद्यालय का 58वां स्थापना दिवस साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का स्थापना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ कृषकों की सहभागिता रही ।

- कृषक की आय 2022 तक दोगुनी वृद्धि हेतु ***विश्वविघालय*** द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का प्रचार प्रसार कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से किया जा रहा है।
- आत्मनिर्भर भारत हेतु ***विश्वविघालय*** द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रो के सहयोग से ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के सतत प्रयास किये जा रहे है।
- ग्रामीण महिलाओं को पोषण आहार के प्रति ***संवेदनशील*** बनाने हेतु पोषण आहार वाटिका की स्थापना समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कर ली गई है ।
- आदिवासी कृषकों को मुर्गीपालन हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कड़कनाथ मुर्गापालन हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- कृषि विज्ञान केंद्रों ने 2 अक्टूबर, 2022 से 31 अक्टूबर, 2022 तक कार्यालय परिसर और ग्राम स्तर पर ध्यान देने के साथ स्वच्छता अभियान 2.0 का आयोजन किया। लोगों को जागरूक करने के लिए रैली और नुक्कड़ नाटक जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- 1–7 दिसंबर 2022 के दौरान फसल बीमा सप्ताह का आयोजन किया है जिसमें किसानों को नवीन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और किसानों की आय को स्थिर करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि खेती में उनकी निरंतरता सुनिश्चित हो सके।
- सभी केवीके ने प्राकृतिक खेती पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए प्राकृतिक कृषि तकनीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। कृषकों खेतिहर महिलाओं और उद्यमियों को जागरुक किया।
- कृषि विज्ञान केंद्रों ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में आभासी रूप से पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 मनाया। जेएनकेवीवी–केवीके किसानों, खेतिहर महिलाओं और उद्यमियों ने यूट्यूब लिंक के माध्यम से जिला केवीके के केंद्र में उक्त कार्यक्रम में भाग लिया।
- कृषि विज्ञान केंद्रों ने दिनांक 26 अक्टूबर 2022 को पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी केवीके ने प्रगतिशील किसानों और युवाओं को सम्मानित किया और केवीके के वैज्ञानिकों ने किसानों को प्राकृतिक खेती और टिकाऊ कृषि विकास के लिए सलाह दी।